AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : फर्स्ट सेमेस्टर वाले दो बार होंगे प्रमोट

आधे कोर्स के बाद आया परिणाम, अब एक ही साल में दो बार मिलेगा प्रमोशन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में फर्स्ट ईयर का रिजल्ट इस साल सबसे अलग होगा। यहां एक ही सेमेस्टर में जहां आधे विद्यार्थियों का परीक्षा के बाद परिणाम जारी हो गया है। वहीं, आधे का अब प्रमोशन होगा। खास बात यह है कि जो प्रमोट हो रहे हैं वो एक ही साल में दो बाद प्रमोशन पाएंगे। कोरोना संक्रमण को लेकर विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखकर शासन ने यह निर्णय लिया कि फाइनल ईयर को छोड़कर अन्य वर्ष के विद्यार्थियों को प्रमोट किया जाएगा। इसी क्रम में सभी विश्वविद्यालय में कवायद भी तेज हो गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय का केस थोड़ा फर्स्ट सेमेस्टर के मामले में अलग था। यहां बीए, बीएससी, बीकॉम फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा का आयोजन नहीं हो सका था। अब शासन से आए निर्णय के बाद विवि ने इन छात्रों को पहले सेमेस्टर में प्रमोट करने का निर्णय लिया है। वहीं, फर्स्ट सेमेस्टर के रिजल्ट के आधार पर ही दूसरे सेमेस्टर में भी प्रमोट किया जाएगा। यानी ये एक ही साल में दो बार प्रमोट होंगे। वहीं, इसी सेमेस्टर में एमबीए, लॉ, बीटेक आदि की परीक्षा हो चुकी थी। इसलिए उनका पहले सेमेस्टर का परिणाम जारी किया गया। अब उनको उस परिणाम के आधार पर दूसरे सेमेस्टर में प्रमोट किया जाएगा। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने कहा कि कोरोना के कारण परिस्थितियां ही ऐसी बनी की क्या किया जाए? विवि ने तो अप्रैल में परीक्षा की तैयारी की ही थी। बाकी विवि प्रशासन के निर्णय के अनुसार ही एक साल में दो बार प्रमोशन का निर्णय लिया गया है।

छात्र कल्याण छात्रवृत्ति के लिए 49 छात्रों का चयन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए शुरू की गई छात्र कल्याण छात्रवृत्ति योजना के तहत 49 छात्रों का चयन हुआ है। छात्रवृत्ति के लिए 343 आवेदन आए थे। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि प्राप्त आवेदनों में से पात्र छात्रों को उनकी संबंधित श्रेणियों (अंडर-ग्रेजुएट, पोस्ट-ग्रेजुएट और पीएचडी) में योग्यता के आधार पर चुना गया है। योजना के तहत चयनित छात्रों को एक शैक्षणिक सत्र में 15 हजार रुपये मिलेंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्रवृत्ति के लिए चयनित छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह योजना विश्वविद्यालय और उसके छात्रों के बीच के संबंधों को मजबूती देगी और छात्रों और उनके अभिभावकों दोनों पर थोड़ा भार कम करेगी। विवि में इस तरह की छात्र केंद्रित पहलों का विस्तार जारी रहेगा और इससे वैश्विक स्तर पर विश्वविद्यालय अपनी छवि को मजबूत करेगा। भारतीय छात्रों के साथ-साथ, विदेशी छात्रों के लिए एक लोकप्रिय अध्ययन केंद्र होगा। बता दें कि अभी शनिवार को ही विवि ने कर्मयोगी योजना के अंतर्गत 71 छात्रों का चयन किया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 4

गरीब छात्र सहायता कोष बदलकर हुआ छात्र कल्याण निधि

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ यूनिवर्सिटी ने 'गरीब छात्र सहायता कोष' का नाम बदल कर 'छात्र कल्याण निधि' कर दिया है। इससे विद्यार्थियों को एक शैक्षणिक सत्र के लिए 15,000 रुपये मिलेंगे। इससे आर्थिक रूप से कमजोर होनहार छात्रों की फीस, भोजन, आवास, अध्ययन और स्वास्थ्य संबंधी खर्चों से संबंधित मद में यह रकम खर्च की जाएगी।

49 होनहारों को 15 हजार रुपये की मिलेगी सहायता

डीन, छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विश्वविद्यालय को इस योजना के लिए 343 आवेदन मिले हैं। विश्वविद्यालय के सभी संकायों में समान प्रतिनिधित्व के लिए कुल 49 पात्र छात्रों को उनकी संबंधित श्रेणियों स्नातक, परास्नातक और पीएचडी में योग्यता के आधार पर चुना गया है। इस योजना के लिए पात्रता मानदंड यह है कि उसके अभिभावक की कुल आय सालाना तीन लाख से अधिक न हो।

> यह योजना एलयू और उसके छात्रों के बीच के संबंधों को मजबूती देगी और अभिभावकों पर थोड़ा भार कम करेगी। *-प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, एलयू*

JAGRAN CITY PAGE I

जुलाई में पीएचडी, अगस्त में स्नातक प्रवेश परीक्षा

15 अगस्त के बाद का कार्यक्रम तय करने की तैयारी में लखनऊ विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय शैक्षिक सत्र 2021-22 में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा अगस्त में कराएगा। 15 अगस्त के बाद प्रवेश परीक्षा की तिथि तय करने की तैयारी है। वहीं, पीएचडी की प्रवेश परीक्षा जुलाई में कम्प्यूटर आधारित होगी। जल्द ही इसका कार्यक्रम जारी किया जाएगा।

लविवि परिसर में स्नातक में 3,800 और परास्नातक पाठ्यक्रमों में करीब 4,400 सीटें हैं। इसके अलावा नए सत्र में चार जिलों के कई कालेज भी केंद्रीयकृत प्रवेश नीति के तहत शामिल हुए हैं। पिछले शैक्षिक सत्र में कोविड की वजह से लविवि ने स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा की जगह मेरिट का फार्मूला अपनाया था। इस बार प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि 12वीं के नतीजों का इंतजार किया जा रहा है। 31 जुलाई तक सभी बोर्ड के नतीजे आ जाएंगे। इसी आधार पर हम 15 अगस्त के बाद किसी भी दिन स्नातक प्रवेश परीक्षा कराने की तिथि तय करेंगे।

30 जून तक है दाखिले का मौका: लविवि में स्नातक व परास्नातक कोर्सों में प्रवेश के लिए 30 जून तक आवेदन का मौका है। कोविड की वजह से यह तिथि बढ़ाई गई थी।

तीन केंद्रों पर होगी पीएचडी की कम्प्यूटर बेस प्रवेश परीक्षा: लविवि जुलाई में पीएचडी दाखिले की प्रवेश परीक्षा कराएगा। यह परीक्षा कम्प्यूटर आधारित होगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए तीन केंद्र बनाने की तैयारी है। इनमें एक दिल्ली एनसीआर, दूसरा लखनऊ और तीसरा वाराणसी प्रस्तावित है। अभी यह डाटा देख रहे हैं कि किस क्षेत्र से विद्यार्थी ज्यादा हैं। प्रवेश परीक्षा का कार्यक्रम जल्द ही जारी किया जाएगा। लविवि एवं सम्बद्ध कालेजों को मिलाकर 439 रेगुलर सीटों पर दाखिले होंगे।

बीएड प्रवेश : कई जिलों के डिप्टी व नोडल समन्वयक बदले

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी है। कोविड की चपेट में आने की वजह से कई जिलों में डिप्टी नोडल अधिकारी और डिप्टी नोडल समन्वयक बदल दिए गए हैं। वहीं, परीक्षा केंद्रों को बनाने की प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है।

लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से होने वाली संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा में 5,91,252 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। विश्वविद्यालय ने 19 मई को प्रवेश परीक्षा प्रस्तावित की थी, लेकिन कोरोना की वजह से स्थगित कर दिया गया था। अब शासन ने प्रवेश परीक्षा की नई तारीख 18 जुलाई तय की है। इसको ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय ने तैयारी शुरू की है। प्रवेश परीक्षा की राज्य प्रवेश समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि कई जिलों में डिप्टी व नोडल समन्वयक का कोरोना से निधन हो गया। वहीं, कुछ प्रभावित हो गए, जिससे उन्होंने परीक्षा करा पाने में असमर्थता जताई। ऐसे में वहां दूसरे डिप्टी नोडल समन्वयक बनाए जा रहे हैं। अभ्यर्थियों से उनकी पसंद के अनुसार परीक्षा के लिए जिलों का विकल्प मांगा गया था। डेटा सभी जिलों के कोआर्डिनेटर को भेज दिया गया है, इसी आधार पर सेंटर तय किए जाएंगे।

छात्रवृत्ति योजना का बदला नाम, राशि भी बढ़ाई

लविवि ने पूअर स्टूडेंट एड फंड छात्रवृत्ति योजना का नाम बदलकर छात्र कल्याण निधि कर दिया है। खास बात ये है कि अब इसमें चयनित छात्रों को पांच हजार रुपये की जगह 15 हजार रुपये दिए जाएंगे। इस योजना में नए सत्र के लिए 49 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया है। रविवार को विश्वविद्यालय ने छात्रवृत्ति के निर्देश जारी किए हैं।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विश्वविद्यालय में अत्यंत होनहार, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को मुख्य रूप से फीस, भोजन, आवास, अध्ययन और स्वास्थ्य संबंधी खर्चों की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे छात्रों को वित्तीय सहायता देने के लिए ही 'छात्र कल्याण छात्रवृत्ति' की शुरुआत की गई। इसमें 343 आवेदन आए थे। पात्रता के लिए संबंधित छात्र के माता-पिता या अभिभावकों की कुल आय तीन लाख रुपये से अधिक न हो। छात्र ने पिछली परीक्षा न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण किया हो। छात्रों की कम से कम 75 प्रतिशत उपस्थिति होनी चाहिए।

PIONEER PAGE 3

छात्र कल्याण छात्रवृत्ति के तहत 343 आवेदन में 49 पात्र छात्र मिले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पढ़ाई की राह में आर्थिक बाधा न बने, इसके लिए लखनऊ विश्वविद्यालय की तरफ से शुरू की गई छात्र कल्याण छात्रवृत्ति योजना के तहत विवि स्तर पर 49 पात्र छात्रों का चयन किया गया है। इस योजना के तहत छात्रों को विवि की तरफसे एक शैक्षणिक सत्र के लिए 15,000 रुपये प्रदान किये जायेंगे।

विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक कर्मयोगी योजना के अंतर्गत छात्रों को सहायता प्रदान करने के बाद विश्वविद्यालय ने छात्र कल्याण योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु इन छात्रों का चयन किया है। उनका कहना है कि लखनऊ विश्वविद्यालय इस तथ्य के प्रति जागरूक है कि यहाँ विभिन्न आय वर्ग के छात्र हैं। विश्वविद्यालय में अत्यंत होनहार लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के संबंध में देखा गया है कि उन्हें मुख्य रूप से फीस, भोजन, आवास, अध्ययन और स्वास्थ्य संबंधी खर्चों से संबंधित चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए ही छात्र कल्याण छात्रवृत्ति की शुरुआत की गयी है। इस योजना में छात्रों को एक शैक्षणिक सत्र के लिए 15,000 रुपये मिलेंगे। इस योजना के लिए पात्रता मानदंड यह है कि उसके माता पिता या अभिभावकों की कुल आय रुपये 3 लाख से अधिक नही हो, छात्र ने पिछली परीक्षा न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण किया हो, छात्रों की पिछले शैक्षणिक सेमेस्टर- वर्ष में कम से कम 75 प्रतिशत उपस्थिति होनी चाहिए और फेलोशिप-छात्रवृत्ति सहित किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त नही हो रही हो। डीन छात्र कल्याण प्रो पूनम टंडन ने बताया कि विश्वविद्यालय को इस योजना के लिए 343 आवेदन प्राप्त हुए हैं। विश्वविद्यालय के सभी संकायों में समान प्रतिनिधित्व के लिए कुल 49 पात्र छात्रों को उनकी संबंधित श्रेणियों में योग्यता के आधार पर चुना गया है। विवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने सभी चयनित छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह योजना विश्वविद्यालय और उसके छात्रों के बीच के सम्बंधों को मज़बूती देगी और छात्रों और उनके अभिभावकों दोनों पर थोड़ा भार कम करेगी।

i-NEXT PAGE 1 & 2

जुलाई में पीएचडी व अगस्त में ग्रेजुएशन की होगी प्रवेश परीक्षा, डेट्स जल्द

एलयू में एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी

लखनऊ यूनिवर्सिटी में 15 अगस्त के बाद का कार्यक्रम तय करने की तैयारी

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(27 June): लखनऊ यूनिवर्सिटी नए सत्र 2021-22 में स्नातक पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए एंट्रेंस एग्जाम अगस्त में आयोजित करेगा. एलयू 15 अगस्त के बाद एंट्रेंस एग्जाम कराने की तैयारी कर रहा है. वहीं पीएचडी में एडमिशन के लिए एंट्रेंस एग्जाम ऑनलाइन मोड में जुलाई में करया जाएगा. यूनिवर्सिटी जल्द इसका पूरा कार्यक्रम जारी करेगी.

CONCEPT PIC

आवेदन 30 जून तक

वहीं कोरोना को देखते हुए एलयू ने यूजी एवं पीजी कोर्सों में एडमिशन के लिए ऑनलाइन आवेदन की डेट बढ़ाकर 30 जून कर दी है. गौरतलब है कि एलयू कैंपस में ग्रेजुएशन की 3,800 और पीजी पाठ्यक्रमों में करीब 4,400 सीटें हैं.

पिछली बार मेरिट से दाखिले

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने पिछले साल कोरोना संक्रमण को देखते हुए एडमिशन एंट्रेंस एग्जाम की जगह मेरिट के आधार पर लिए थे. यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि फिलहाल इंटर के रिजल्ट का इंतजार किया जा रहा है. 31 जुलाई तक सभी बोर्ड के रिजल्ट घोषित कर दिए जाएंगे. इसके बाद हम अगस्त माह की 15 तारीख के बाद किसी भी दिन ग्रेजुएशन में एडमिशन के लिए एग्जाम की डेट तय कर देंगे.

तीन सेंटर्स पर पीएचडी एंट्रेंस

लखनऊ यूनिवर्सिटी जुलाई माह में पीएचडी में एडमिशन के लिए एंट्रेंस एग्जाम का आयोजन करेगा. यह एग्जाम कंप्यूटर बेस्ड होगा और तीन सेंटर्स पर इसे कराया जाएगा. एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि पीएचडी एंट्रेंस एग्जाम के लिए तीन सेंटर बनाए जाएंगे. इसमें एक लखनऊ होगा. इसके साथ ही एक सेंटर दिल्ली एनसीआर और एक वाराणसी में प्रस्तावित है. फिलहाल यह देखा जा रहा है कि किस क्षेत्र से एग्जाम के लिए ज्यादा कैंडीडेट्स हैं. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि एग्जाम का पूरा कार्यक्रम जल्द जारी किया जाएगा. एलयू और संबद्ध कॉलेजों को मिलाकर कुल 439 सीटों पर एडमिशन लिए जाएंगे.

आत्मनिर्भर बनने के गुर बताएगी लखनऊ यूनिवर्सिटी

लखनऊ यूनिवर्सिटी में छात्र कल्याण निधि की स्थापना

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(27 June): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने अपने स्टूडेंट को आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाने के लिए छात्र कल्याण निधि की स्थापना की है. इस निधि से स्टूडेंट्स को आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाने के लिए कई योजनाएं शुरू की जाएंगी.

343 आवेदन मिले

डीन छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि योजना के लिए 343 मिले हैं और 49 पात्र छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर चुना गया है. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह योजना विश्वविद्यालय और छात्रों के संबंधों को मजबूती देगी.

शुरू होगी कर्मयोगी योजना

एलयू अब छात्रों के लिए कर्मयोगी योजना शुरू करने जा रहा है. इसमें छात्रों को 15,000 रुपए मिलेंगे. इसका लाभ उन छात्रों को मिलेगा जिनके माता-पिता या अभिभावक की वार्षिक आय तीन लाख रुपए से कम होगी. वहीं स्टूडेंट के पिछले एग्जाम में 60 फीसद से अधिक मार्क्स होंगे और अटेंडेंस 75 फीसद से अधिक होगी.

THE PIONEER PAGE 3

LU upgrades student welfare scheme

PNS ■ LUCKNOW

Continuing with its efforts to work towards student welfare, Lucknow University has upgraded the 'Poor Student Aid Fund' to 'Chhatra Kalyan Nidhi'. This integrates multiple student-centric schemes for a wider outreach and greater benefit to students of different strata. DSW Poonam Tandon said that after providing support to students under the Karmayogi scheme, Lucknow University has effectively completed its second stage of student support measures by identifying students for financial support under the 'Chhatra Kalyan' scheme.

"The scheme was initiated as the University of Lucknow is aware and responsible for the fact that it is home to students from all walks of life. In respect of the bright but economically challenged students in the university, it is observed that they are facing challenges primarily related to fees, food, accommodation, study, and health-related expenses. Under this scheme, the students will get Rs 15,000 for an academic session. The eligibility criteria for this scheme is that the total income of parents or guardians does not exceed Rs 3 lakh per annum, the student has passed with minimum of 60% marks in the previous exam, the students should have at least 75% attendance in the previous academic semester/year, and they should not be receiving any kind of financial assistance including fellowship or scholarship," she said.

Tandon said that the university received 343 applications for this scheme. "A total of 49 eligible students have been selected on a merit basis in their respective categories (UG, PG, and PhD) across all the faculties for uniform representation," she said.

LU Vice-Chancellor Prof AK Rai conveyed best wishes to all the selected students and said that this scheme would give a boost to the synergic bonding between the university and its students and unburden both the students and their parents.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

लविवि : 49 छात्रों को मिलेगी 15-15 हजार की छात्रवृत्ति

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि ने पुअर स्टूडेंट ऐड फंड का नाम बदल कर छात्र कल्याण छात्रवृत्ति कर दिया है। इस निधि से विभिन्न स्तरों के छात्रों को और अधिक लाभ देने के लिए कई छात्र केंद्रित योजनाओं का प्रारम्भ किया गया है। कर्मयोगी योजना के अंतर्गत छात्रों को सहायता प्रदान करने के बादए लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्र कल्याण योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु छात्रों का चयन किया है।

इस योजना में छात्रों को एक शैक्षणिक सत्र के लिए 15,000 रुपये मिलेंगे। इस योजना के लिए पात्रता मानदंड यह है कि उसके माता-पिता या अभिभावकों की कुल आय रुपये 03 लाख से अधिक नहीं हो, छात्र ने पिछली परीक्षा न्यूनतम 60 फीसद अंकों के साथ उत्तीर्ण किया हो, छात्रों की पिछले शैक्षणिक सेमेस्टर वर्ष में कम से कम 75 फीसद उपस्थिति होनी चाहिए और फेलोशिप छात्रवृत्ति सहित किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त नहीं हो रही हो।

डीन, छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विश्वविद्यालय को इस योजना के लिए 343 आवेदन प्राप्त हुए हैं। विश्वविद्यालय के सभी संकायों में समान प्रतिनिधित्व के लिए कुल 49 पात्र छात्रों को उनकी संबंधित श्रेणियों अंडर-ग्रेजुएट, पोस्ट-ग्रेजुएट और पीएचडी में योग्यता के आधार पर चुना गया है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

अब छात्रवृत्ति कल्याण निधि से मिलेंगे 15 हजार रुपये

स्वतंत्र भारत लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने पूअर स्टूडेंट एंड फंड छात्रवृत्ति योजना का नाम बदल कर छात्र कल्याण निधि कर दिया है। खास बात ये है कि अब इसमें चयनित छात्रों को पांच हजार रुपये की जगह पंद्रह हजार रुपये दिए

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बदला छात्रवृत्ति योजना का नाम

जाएंगे। इस योजना में नए सत्र के लिए 49 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया है। रविवार को विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसके निर्देश जारी किए हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विश्वविद्यालय में अत्यंत होनहार, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को मुख्य रूप से फीस, भोजन, आवास, अध्ययन और स्वास्थ्य संबंधी खर्चों की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे छात्रों को वित्तीय सहायता देने के लिए ही छात्र कल्याण छात्रवृत्ति की शुरुआत की गयी। इसमें 343 आवेदन आए थे। विभिन्न संकायों के कुल 49 पात्र छात्रों को उनकी संबंधित श्रेणियों (अंडर-ग्रेजुएट, पोस्ट-ग्रेजुएट और पीएचडी) में योग्यता के आधार पर चुना गया है। एक शैक्षिक सत्र में मिलेंगे 15 हजार रुपये = इस योजना में छात्रों को एक शैक्षणिक सत्र के लिए 15,000 रुपये मिलेंगे। पात्रता के लिए संबंधित छात्र के माता-पिता या अभिभावकों की वार्षिक कुल आय तीन लाख रुपये से अधिक न हो। छात्र ने पिछली परीक्षा न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण किया हो। छात्र की पिछले शैक्षणिक सेमेस्टर अथवा वर्ष में कम से कम 75 प्रतिशत उपस्थिति होनी चाहिए। छात्रवृत्ति सहित किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता न मिल रही हो। बीएड प्रवेश = कई जिलों के डिप्टी व नोडल समन्वयक बदले = कोरोना महामारी से कुछ राहत मिलने के बाद अब लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी है। कोविड की चपेट में आने की वजह से कई जिलों में डिप्टी नोडल अधिकारी और डिप्टी नोडल समन्वयक बदल दिए गए हैं। वहीं, परीक्षा केंद्रों को बनाने की प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से होने वाली संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा में 5,91,252 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। विश्वविद्यालय ने 19 मई को प्रवेश परीक्षा प्रस्तावित की थी। लेकिन कोरोना की वजह से इसे स्थगित कर दिया गया था।

FIRST INDIA PAGE 5

SOUNDS BETTER

No More 'Poor': Now Kalyan Nidhi for LU students

> Eligibility for this scheme is that the total income of a student's parents does not exceed Rs 3 lakh PA and the student has passed with minimum 60% marks in the previous examination

First India Bureau

Lucknow: Continuing its time-honoured vow for student welfare and upgradation, University of Lucknow has refurbished the previously named 'Poor Student Aid Fund' as "Chhatra Kalyan Nidhi", an upgraded and more benevolent version. This integrates multiple student centric schemes for wider outreach and greater benefit to students of different strata.

After providing support to students under the Karmyogi scheme, University of Lucknow has effectively completed its second stage of student support measures by identifying students for financial support under the "Chhatra Kalyan Scheme."

The scheme was initiated as University of Lucknow is aware and responsible to the fact that it is home to students from all walks of life. In respect of the bright but economically challenged students, it is observed that they are facing challenges primarily related to the fees, food, accommodation, study, and health-related expenses.

In this scheme, students will get Rs 15,000 for an academic session. Eligibility criteria for this scheme are that the total income of his/her parents or guardians does not exceed Rs 3 lakh per annum, the student has passed with minimum of 60% marks in the previous examination, students should have at least 75% attendance in the previous academic semester/year, and should not be receiving any kind of financial assistance including fellowship/scholarship.

—FILE PHOTO

Poonam Tandon, Dean Students' Welfare said the university received 343 applications for this scheme. Total 49 eligible students have been selected on merit in their respective categories (UG, PG and PhD) across all the faculties of the University for Uniform Representation.

V-C Alok Rai conveyed his best wishes to all selected students and said that this scheme will give a boost to the synergic bonding between the varsity and its students and unburden both students and parents.

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

पुअर स्टूडेंट फंड का बदला नाम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने पुअर स्टूडेंट फंड का नाम वदल कर 'छात्र कल्याण निधि' कर दिया है, जो एक उन्नत और अधिक परोपकारी संस्करण है। इस निधि से छात्र कल्याण छात्रवृत्ति की शुरुआत की गयी। इस योजना में छात्रों को एक शैक्षणिक सत्र के लिए 15,000 रुपये मिलेंगे। इस योजना के लिए पात्रता मानदंड यह है कि उसके माता-पिता या अभिभावकों की कुल आय तीन लाख रुपए से अधिक न हो, छात्र ने पिछली परीक्षा न्यूनतम 60 फीसद अंकों के साथ उत्तीर्ण किया हो, छात्रों की पिछले शैक्षणिक सेमेस्टर / वर्ष में कम से कम 75 फीसद उपस्थिति होनी चाहिए, और फेलोशिप / छात्रवृत्ति सहित किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त नहीं हो रही हो। विश्वविद्यालय को इस योजना के लिए 343 आवेदन प्राप्त हुए हैं, हालांकि इस योजना के लिए आवेदन कव मांगे गए इसके वारे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोई जानकारी नहीं दी है। विश्वविद्यालय के सभी संकायों में समान प्रतिनिधित्व के लिए कुल 49 पात्र छात्रों को उनकी संवंधित श्रेणियों में योग्यता के आधार पर चुना गया है।